विदेशी निवेश पाने में भारतीय बाजार तीसरे स्थान पर

पिछले एक साल में रिटर्न देने के मामले में दुनिया के प्रमुख बाजारों में दूसरे नंबर पर भारत

अजीत सिंह

नई दिल्ली। विदेशी निवेश पाने में भारतीय शेयर बाजार पिछले एक साल में तीसरे स्थान पर रहा है। इसी दौरान रिटर्न देने में यह प्रमुख बाजारों में दूसरे स्थान पर रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2023 से इस साल 18 मार्च तक घरेलू बाजार में कुल 26 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। इस दौरान इसने 25% रिटर्न दिया है।

भारतीय बाजार से ज्यादा रिटर्न तुर्किये, रूस और अर्जेंटीना ने दिया है। लेकिन, यहां पर विदेशी निवेश काफी कम है। तुर्किये के बाजार ने जहां 70 फीसदी का रिटर्न दिया, रूस ने 42 फीसदी और अर्जेंटीना ने चार गुना का रिटर्न दिया है। भारत की तेज विकास दर ने घरेलू शेयर बाजार को मजबूती दी है।

अमेरिकी बाजारों पर सर्वाधिक भरोसा

देश	रकम	बाजार का रिटर्न
अमेरिका	90	22 फीसदी
जापान	61	45 फीसदी
भारत	26	25 फीसदी
कोरिया	13	12 फीसदी
ब्राजील	03	24 फीसदी
मैक्सिको	02	08 फीसदी

(रकम : अरब डॉलर में)

इसलिए, भारत में आ रहा निवेश

■ विनिर्माण उत्पादन क्षमता में सुधार। ■ वित्त, रियल एस्टेट व पेशेवर सेवाओं में तेजी। ■ घरेलू संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड निवेश में तेजी। ■ अच्छी कॉरपोरेट आय, रुपये में मजबूती व महंगाई काबू में।

चीन से 67 अरब डॉलर की निकासी

आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक साल में चीन के शेयर बाजार से 67 अरब डॉलर की रकम विदेशी निवेशकों ने निकाला है। इस दौरान

इसके बाजार में पांच फीसदी की गिरावट आई है। यूके के बाजार से 21 अरब डॉलर निकला है। हालांकि बाजार ने पांच फीसदी रिटर्न दिया है।

■ जर्मनी के बाजार से विदेशी निवेशकों ने 17 अरब डॉलर, दक्षिण अफ्रीका के बाजार से 9 अरब डॉलर और थाईलैंड के बाजार से पांच अरब डॉलर की निकासी हुई है।

■ थाईलैंड के बाजार ने इसी अवधि में 11 फीसदी का घाटा दिया है। हालांकि, जर्मनी ने 21 फीसदी का रिटर्न दिया है।